भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 02 नवंबर, 2026
जारी करने का समय:1305 घंटे

विषय: (i) पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गंभीर चक्रवाती तूफान "मुरासु" (Murasu) उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ने की प्रबल संभावना है। यह आज, 02 नवंबर की आधी रात (2330 बजे IST) से लेकर कल, 03 नवंबर 2026 की सुबह (0400 बजे IST) के बीच, नेल्लोर और नरसापुर के बीच (ओंगोल के दक्षिण में) दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तट को पार करेगा। इस दौरान हवा की गति 100 से 110 किमी प्रति घंटा होगी, जो झोंकों के साथ 120 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।
(ii) इस प्रणाली के प्रभाव के कारण, 02 और 03 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और तेलंगाना में; तथा 02 नवंबर को तमिलनाडु में भारी से बहुत भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है। इसके अलावा, 02 और 03 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में, तथा 03 नवंबर 2026 को तेलंगाना में कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की भी संभावना है।

आज, 02 नवंबर, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में दर्ज किया गया मौसम:

- तमिलनाडु और मध्य महाराष्ट्र में भारी से बहुत भारी बारिश (12-21 सेमी) दर्ज की गई है।
- असम, ओडिशा और केरल में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक I और II):

- दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में मौजूद चक्रवाती तूफान "मुरासु" [उच्चारण: मुरासु], आज 2 नवंबर को IST (भारतीय मानक समय) के अनुसार 02:30 बजे और अधिक तीव्र होकर एक 'गंभीर चक्रवाती तूफान' (Severe Cyclonic Storm) में बदल गया है। आज, 2 नवंबर 2026 को IST के अनुसार 08:30 बजे, यह पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में 14.1°N अक्षांश और 81.4°E देशांतर के पास केंद्रित था। यह नेल्लोर (आंध्र प्रदेश) से लगभग 160 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, चेन्नई (तमिलनाडु) से 180 किमी उत्तर-पूर्व, कावली (आंध्र प्रदेश) से 180 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, ओंगोल (आंध्र प्रदेश) से 210 किमी दक्षिण-पूर्व और मछलीपट्टनम (आंध्र प्रदेश) से 240 किमी दक्षिण में स्थित था। इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और आज, 2 नवंबर की मध्यरात्रि (23:30 बजे IST) से कल, 3 नवंबर 2026 की तड़के (04:00 बजे IST) के बीच, नेल्लोर और नरसापुर के बीच (ओंगोल के दक्षिण में) दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तट को पार करने की प्रबल संभावना है। इस दौरान हवा की गति 100 से 110 किमी प्रति घंटा होगी, जो झोंकों के साथ 120 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।
- मध्य और ऊपरी क्षोभमंडल (troposphere) में पश्चिमी हवाओं के बीच एक 'वेस्टर्न डिस्टर्बेंस' (Western Disturbance) एक 'ट्रफ' (trough) के रूप में मौजूद है, जो लगभग 72°E देशांतर के साथ 30°N अक्षांश के उत्तर की ओर स्थित है।
- निचले क्षोभमंडल स्तर पर, पूर्वोत्तर असम और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक 'अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन' (ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण) मौजूद है।
- निचले क्षोभमंडल स्तर पर, दक्षिणी केरल और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक 'अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन' मौजूद है।
- निचले क्षोभमंडल स्तर पर, पूर्वी-मध्य अरब सागर में, कर्नाटक और दक्षिणी महाराष्ट्र के तटों के पास एक 'अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन' मौजूद है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 2 से 8 नवंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 2 से 6 नवंबर के दौरान तटीय कर्नाटक और लक्षद्वीप में; 2-3 नवंबर और 5-8 नवंबर के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 5-8 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में; तथा 4 से 8 नवंबर के दौरान रायलसीमा में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- 2 से 8 नवंबर के दौरान केरल और माहे में; 7-8 नवंबर के दौरान तटीय कर्नाटक और लक्षद्वीप में; 4 नवंबर को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 2 से 4 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में; तथा 2-3 नवंबर के दौरान रायलसीमा में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 2-3 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (80-90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 2 से 4 नवंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 4 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में; तथा 2 नवंबर को तेलंगाना में तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है। साथ ही, 2 से 6 नवंबर के दौरान केरल, माहे और लक्षद्वीप में; 3 नवंबर को तटीय कर्नाटक में; और 2 से 5 नवंबर के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- 2 नवंबर को और 4-5 नवंबर के दौरान तटीय कर्नाटक में कहीं-कहीं आंधी-तूफान आने और बिजली गिरने की संभावना है।
- 3 नवंबर को और 5-7 नवंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; तथा 2-4 नवंबर और 7-8 नवंबर के दौरान केरल और माहे में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। 2 से 5 नवंबर के दौरान तटीय कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 4 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तेलंगाना में बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 2 नवंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा तेलंगाना में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश हो सकती है।
- 2 से 3 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में; और 3 नवंबर को तेलंगाना में कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।
- 2 से 3 नवंबर के दौरान रायलसीमा में आंधी-तूफान (हवा की गति 70-80 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 90 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) आने की संभावना है।
- 3 नवंबर को तेलंगाना में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) आने की संभावना है।
- 2 से 4 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

मध्य भारत:

- 2 से 5 नवंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और छत्तीसगढ़ में 2 नवंबर तथा 5 से 6 नवंबर के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 3 से 4 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 3 से 4 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 3 से 5 नवंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 2 से 5 नवंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में; और 3 से 4 नवंबर के दौरान विदर्भ में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- 2 से 4 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- 2 से 8 नवंबर के बीच अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 2 से 3 नवंबर के बीच गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 2 से 4 नवंबर के बीच झारखंड में; 2 नवंबर को बिहार में; और 5 से 7 नवंबर के बीच ओडिशा में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।

- 2 से 4 नवंबर के बीच ओडिशा में काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- 2 से 4 नवंबर के बीच ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- 2 से 4 नवंबर के बीच ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- अरुणाचल प्रदेश में 2 से 4 नवंबर और 8 नवंबर को; असम और मेघालय में 2 से 4 नवंबर और 7 से 8 नवंबर को; तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 2 से 8 नवंबर के दौरान कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- 2 नवंबर को असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 2 नवंबर को अरुणाचल प्रदेश और असम तथा मेघालय में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- 2 से 5 नवंबर के बीच कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में; और 2 नवंबर को गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- 2 से 4 नवंबर के बीच कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- 2 नवंबर को मराठवाड़ा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान आने और बिजली कड़कने की संभावना है।
- 2 नवंबर को मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

हवा को लेकर चेतावनी:

पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी:

- यहाँ 100-110 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिनकी गति झोंकों के साथ 120 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। यह स्थिति 2 तारीख की आधी रात तक बनी रहने की संभावना है। लैंडफॉल (तूफान के तट से टकराने) के बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम होगी; 3 तारीख की सुबह तक यह 70-80 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 90 किमी/घंटा) और 4 नवंबर की सुबह तक 45-55 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 65 किमी/घंटा) रह जाएगी, जिसके बाद इसमें और सुधार आएगा।

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी:

- यहाँ 80-90 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी, जिनकी गति झोंकों के साथ 100 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। यह स्थिति 2 नवंबर की शाम तक बनी रहेगी। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम होगी; 3 नवंबर की सुबह तक यह 50-60 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा) और 3 नवंबर की शाम तक 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा) रह जाएगी, और फिर आगे और कम हो जाएगी।

❖ आंध्र प्रदेश के तट के पास और तटीय इलाकों में (कृष्णा, बापटला, प्रकाशम, एसपीएसआर नेल्लोर, गुंटूर, एलुरु, एनटीआर, पलनाडु और पश्चिम गोदावरी जिले):

- आंध्र प्रदेश के तट के पास और तटीय इलाकों में अभी 50-60 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं, जिनकी गति झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। 2 तारीख की दोपहर से इन हवाओं की गति और बढ़ने की संभावना है, जो 80-90 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 100 किमी/घंटा) तक पहुँच सकती है। 2 नवंबर की रात से 3 नवंबर की सुबह तक

हवा की गति 100-110 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 120 किमी/घंटा) तक हो सकती है। लैंडफॉल के बाद, हवा की गति धीरे-धीरे कम होगी; 3 नवंबर की सुबह तक यह 70-80 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 90 किमी/घंटा) और 3 तारीख की शाम तक 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा) रह जाएगी, जिसके बाद इसमें और कमी आएगी। उत्तरी तमिलनाडु (तिरुवल्लुर, रानीपेट्टई, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और चेन्नई जिले) और पुडुचेरी के तटों के पास:

- यहाँ अभी तेज़ हवाओं वाला मौसम है, जिसमें हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा है और झोंकों के साथ यह 70 किमी प्रति घंटा तक पहुँच रही है। 2 नवंबर की दोपहर से 3 नवंबर की सुबह तक हवा की गति धीरे-धीरे और बढ़ेगी, जो 60-70 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 80 किमी प्रति घंटा) तक पहुँच सकती है। इसके बाद, 3 नवंबर की शाम तक हवा की गति कम होकर 40-50 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा) रह जाएगी और फिर और कम हो जाएगी।

- उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी से सटे इलाके और दक्षिणी ओडिशा तट (मलकानगिरी, कोरापुट, रायगडा, गजपति और गंजाम जिले):
- 2 नवंबर की सुबह से यहाँ तेज़ हवाओं वाला मौसम शुरू होने की संभावना है, जिसमें हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा) रहेगी। 2 नवंबर की शाम से 3 नवंबर की दोपहर तक हवा की गति बढ़कर 50-60 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा) हो सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी।

- तेलंगाना (खम्मम, सूर्यपेट, नलगोंडा, नागरकुर्नूल, वनपर्थी, महबूबाबाद, वारंगल, जनगांव, करीमनगर और भद्राद्री कोठागुडेम) और रायलसीमा (चित्तूर और तिरुपति):
- 2 नवंबर की दोपहर से यहाँ तेज़ हवाओं वाला मौसम शुरू होने की संभावना है, जिसमें हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा) रहेगी। 2 नवंबर की आधी रात से हवा की गति 55-65 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 75 किमी प्रति घंटा) हो जाएगी। 3 नवंबर की सुबह से दोपहर तक हवा की गति और बढ़कर 70-80 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 90 किमी प्रति घंटा) तक पहुँच सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी।

समुद्र की स्थिति:

पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी:

- 3 नवंबर की सुबह तक यहाँ समुद्र की स्थिति बहुत खराब (Very High Sea condition) रहेगी। इसके बाद, स्थिति में सुधार आना शुरू हो जाएगा; 4 तारीख की सुबह तक यह 'बहुत खराब' (Very Rough) से 'खराब' (Rough) हो जाएगी और उसके बाद और बेहतर होती जाएगी।

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी:

- 2 नवंबर की शाम तक समुद्र की स्थिति 'बहुत खराब' (High sea condition) बनी रहेगी। इसके बाद इसमें धीरे-धीरे सुधार आएगा और 3 नवंबर की शाम तक यह 'बहुत खराब' से 'खराब' (Very Rough to Rough) हो जाएगी।

- आंध्र प्रदेश के तट के पास और उससे लगे इलाकों में: 2 नवंबर की सुबह से 3 नवंबर की सुबह तक समुद्र की स्थिति 'खराब' से 'बहुत खराब' (High to very high) रहेगी। इसके बाद, 4 तारीख की सुबह तक स्थिति में सुधार आएगा और यह 'बहुत खराब' से 'खराब' (Very Rough to Rough) हो जाएगी, जिसके बाद इसमें और सुधार आएगा।

उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी के तटों के पास और उससे लगे इलाकों में:

- 4 नवंबर की सुबह तक समुद्र की स्थिति 'खराब' से 'बहुत खराब' (Rough to Very Rough) रहने की संभावना है। इसके बाद इसमें धीरे-धीरे सुधार आएगा।
- उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से सटे इलाकों और दक्षिणी ओडिशा के तट के पास:
- 2 नवंबर की शाम से 3 नवंबर की सुबह तक समुद्र की स्थिति 'खराब' से 'बहुत खराब' (Rough to Very Rough) रहने की संभावना है, और 3 नवंबर की शाम तक यह 'खराब' (Rough) बनी रहेगी, जिसके बाद इसमें सुधार आएगा।

स्टॉर्म सर्ज (तूफानी लहरों) की चेतावनी:

- लैंडफॉल (तूफान के तट से टकराने) के समय, खगोलीय ज्वार (astronomical tide) के स्तर से लगभग 1.5 से 2.0 मीटर ऊंची तूफानी लहरें (storm surge) दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों के निचले हिस्सों में पानी भर सकती हैं। सबसे ऊंची लहरें बापटला, कृष्णा और प्रकाशम जिलों में आने की आशंका है।
- आज, 2 नवंबर की शाम से तूफानी लहरों की ऊंचाई 0.5 मीटर से अधिक होने की संभावना है, जो कल, 3 नवंबर की सुबह तक बनी रहेगी। आज रात से कल तड़के तक, खगोलीय ज्वार के स्तर से ऊपर इन लहरों की ऊंचाई 1.0 से 1.5 मीटर तक पहुंच सकती है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे इन इलाकों में न जाएं:

- 2 नवंबर को दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में,
- 4 नवंबर की सुबह तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में,
- 4 नवंबर की दोपहर तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में,
- 2 नवंबर की सुबह से 4 नवंबर की दोपहर तक आंध्र प्रदेश के तट के पास और उससे लगे इलाकों में,
- 4 नवंबर की सुबह तक उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी के तटों के पास और उससे लगे इलाकों में। 2 नवंबर की शाम से 4 नवंबर की दोपहर तक, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के आस-पास के क्षेत्रों में, और दक्षिण ओडिशा तट के साथ-साथ तट से दूर के इलाकों में।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक V देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 cm) (कल 0830 बजे IST से आज 0830 बजे IST तक अलग-अलग मौसम विभाग में) दर्ज की गई:

- **तमिलनाडु:** कडपक्कम 15
- **मध्य महाराष्ट्र:** इंदापुर (पुणे) 13
- **असम:** धनसिरी 11
- **केरल:** करुमाडी (अलापुझा जिला) 8

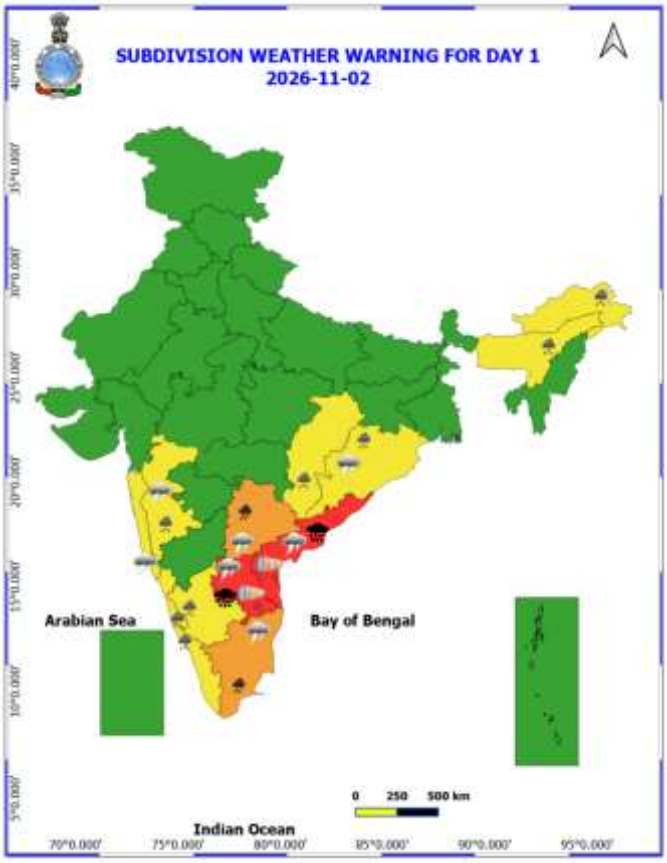
❖ **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल:** नवाना (जिला मयूरभ्यंज) 7 |

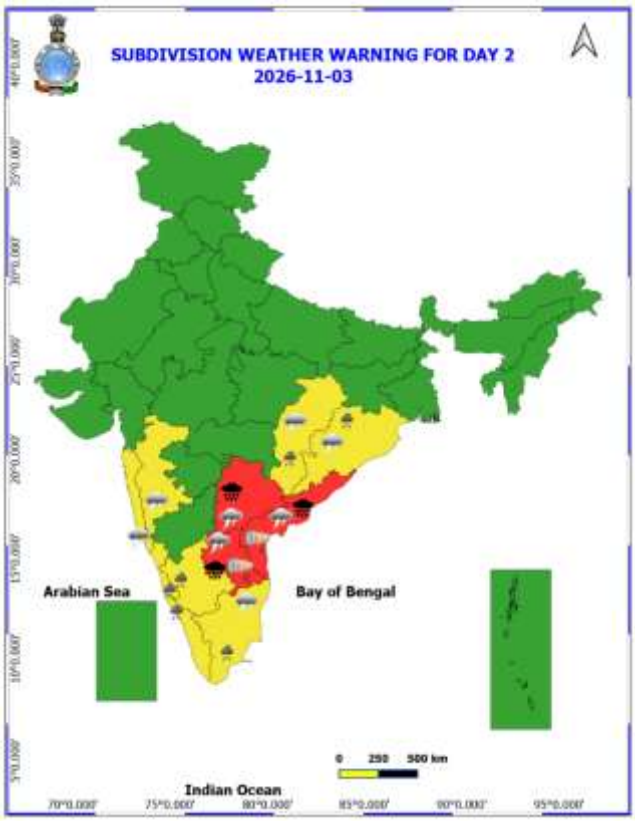
अनुलग्नक ।

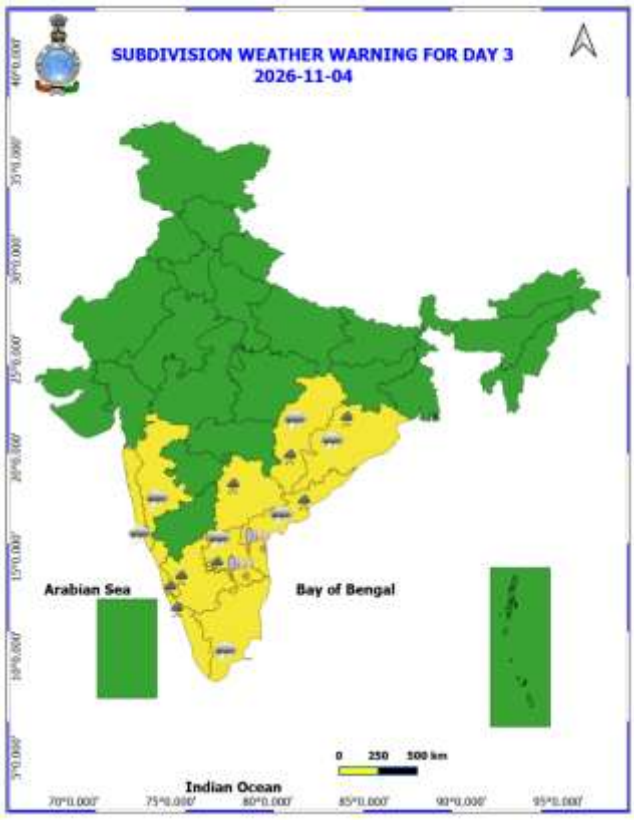
Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	2- Nov	3- Nov	4- Nov	5- Nov	6- Nov	7- Nov	8- Nov
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	DRY
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	SCT	FWS	FWS	ISOL	ISOL	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	[illegible]	[illegible]	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	FWS	[illegible]	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	[illegible]	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	[illegible]	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS

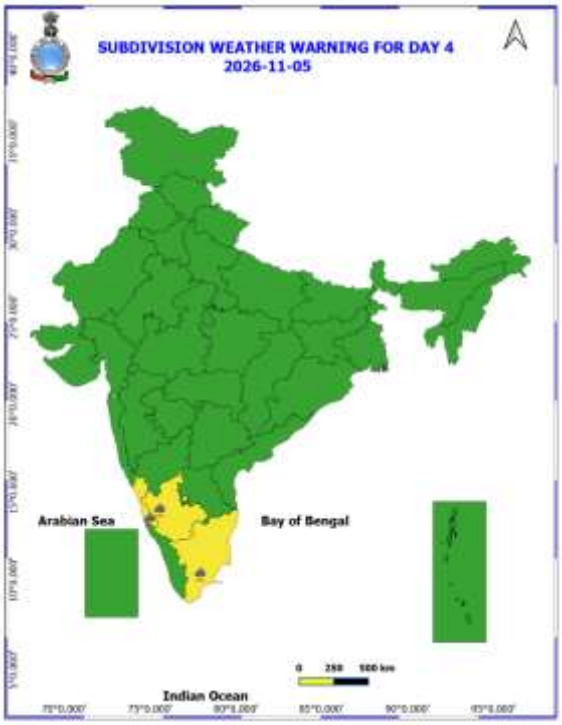
- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

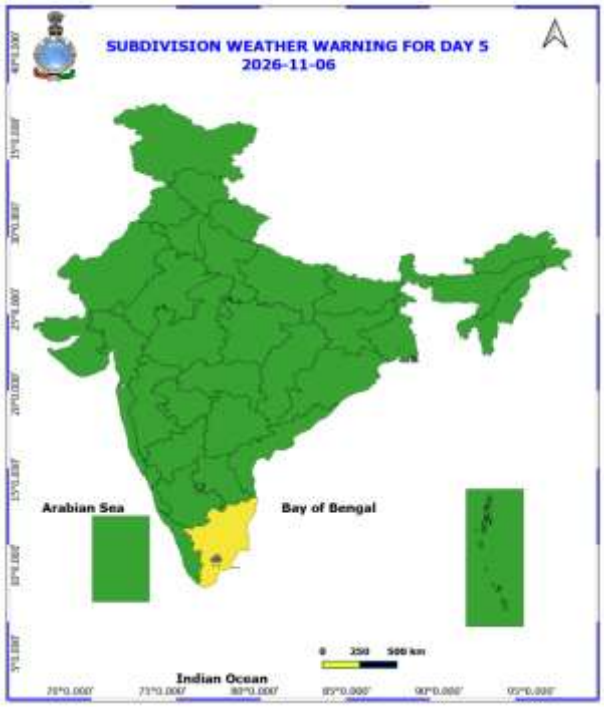
अनुलग्नक II

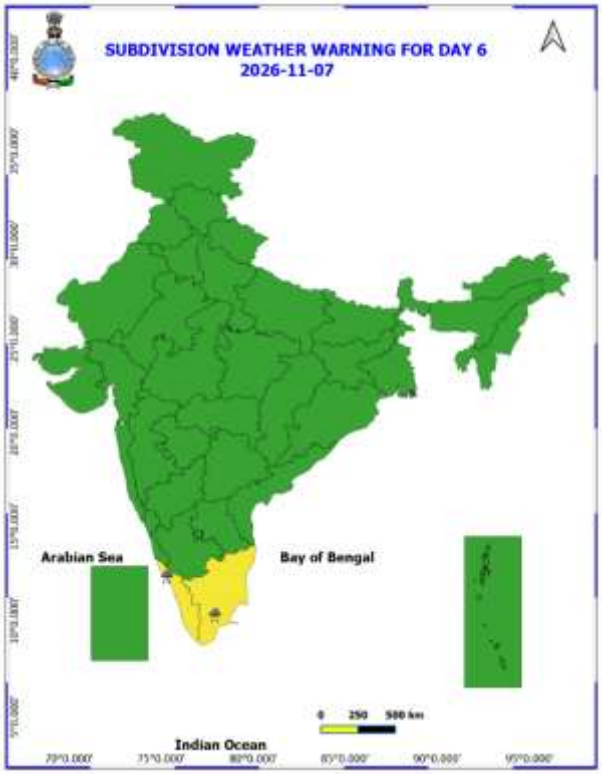

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-11-02
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

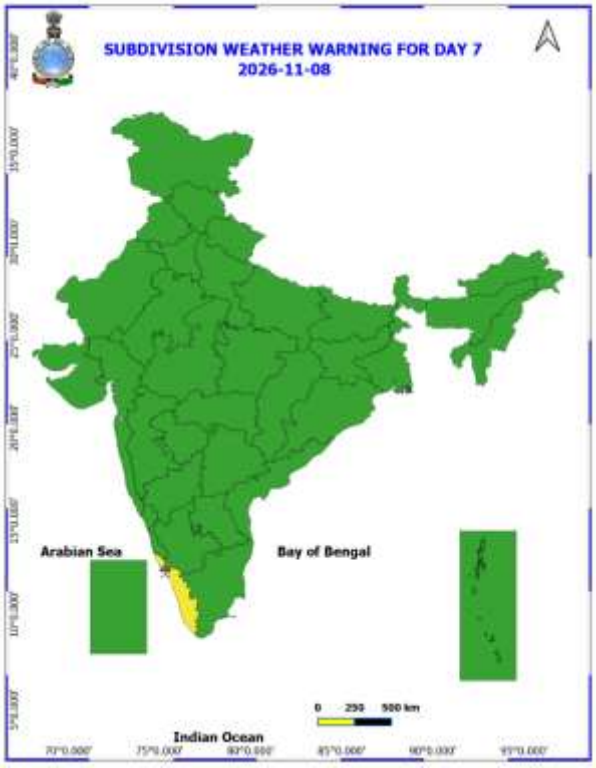

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-11-03
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km


SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-11-04
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km







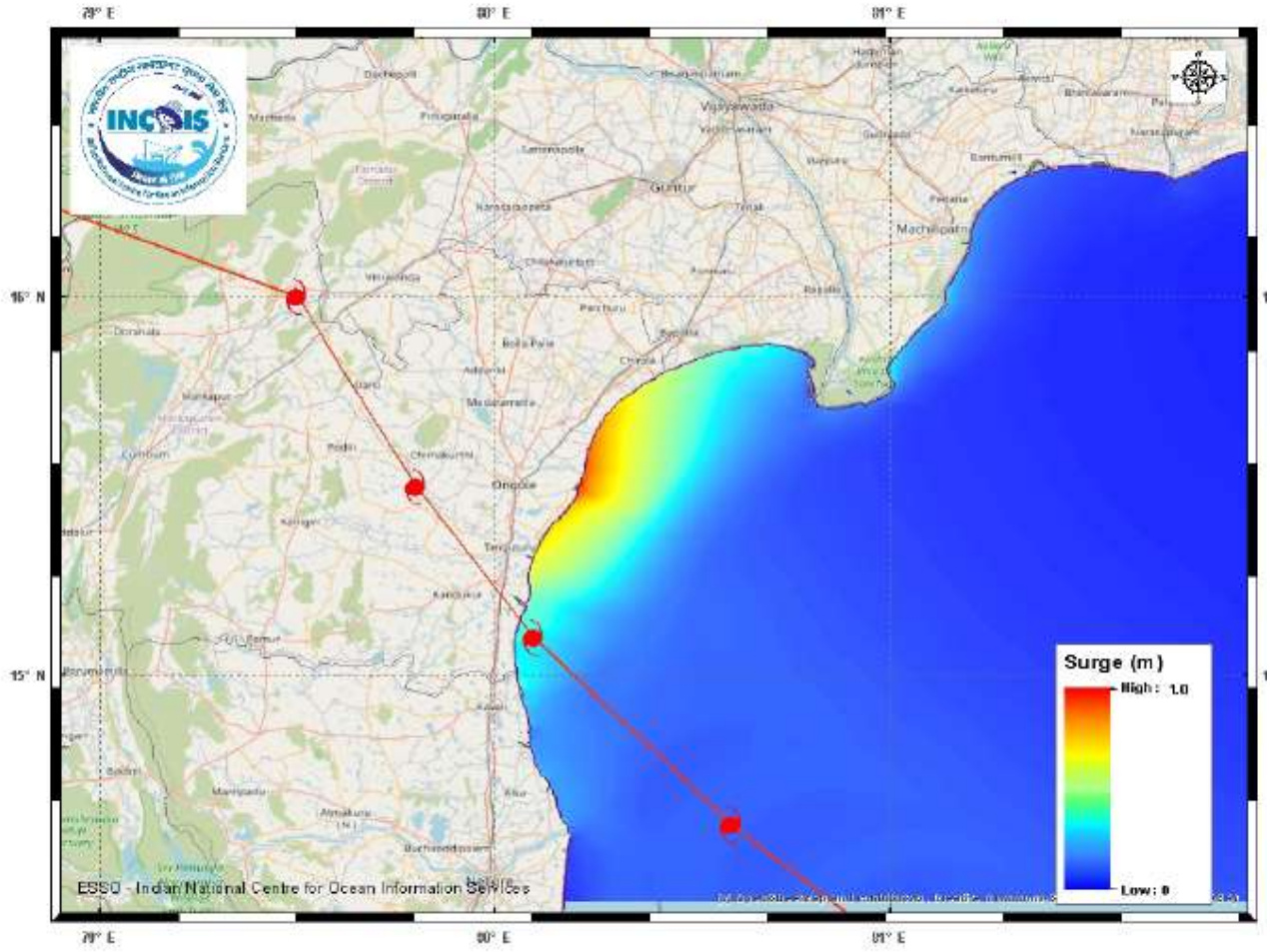


- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

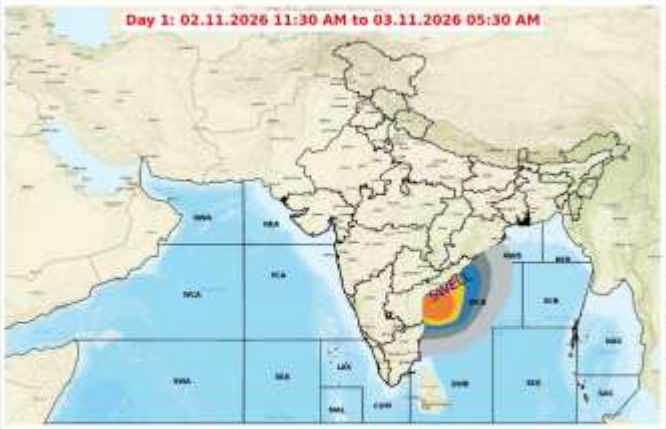
अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III


79° E
80° E
81° E
16° N
15° N
Surge (m)
High: 1.0
Low: 0
ESSO - Indian National Centre for Ocean Information Services

Fishermen Warning Graphics











Legend

	Squally Weather with wind speed 35-45 kmph gusting to 55 kmph
	Squally wind with speed 45-55 kmph gusting to 65 kmph
	Deep depression with wind speed 50-60 kmph gusting to 70 kmph
	CS with Gale winds with speed 60-90 kmph gusting to 90 kmph
	SCS with Gale wind speed 90-110 kmph gusting to 120 kmph
	Swell Surge Warning

Fishermen are advised not to venture into the marked areas.

अनुलग्नक V

02 नवंबर से 05 नवंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1-2°C की वृद्धि हुई है, जबकि न्यूनतम तापमान में 1-2°C की गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान 27-29°C और न्यूनतम तापमान 16-17°C के बीच दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटों के दौरान, दिल्ली के कुछ इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा, जबकि बाकी हिस्सों में यह सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। वहीं, कुछ इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) और बाकी हिस्सों में सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) दर्ज किया गया। सफदरजंग हवाई अड्डे पर हल्का कोहरा देखा गया। यहाँ सुबह 06:30 से 07:30 IST के बीच सबसे कम दृश्यता (visibility) 800 मीटर दर्ज की गई, जो आज, 02.11.2026 को सुबह 08:00 IST तक धीरे-धीरे सुधरकर 900 मीटर हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक की गति से हवाएं चलीं। आज सुबह के समय भी आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटे तक की गति से हवाएं चलीं।

मौसम का पूर्वानुमान:

02.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 27-29°C के बीच रहने की संभावना है। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा, जबकि दिल्ली के कई अन्य हिस्सों में यह सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहने का अनुमान है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति 16 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय, उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली सतही हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटा तक रह जाएगी।

03.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम तापमान 28°C से 30°C और न्यूनतम तापमान 15°C से 17°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहने की संभावना है। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलेगी, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 20 किमी प्रति घंटा तक पहुंच जाएगी। शाम और रात के समय, उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटा तक रह जाएगी।

04.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम तापमान 27°C से 29°C और न्यूनतम तापमान 14°C से 16°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहने की संभावना है। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलेगी, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा तक पहुंच जाएगी। शाम और रात के समय, उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटा तक रह जाएगी।

05.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम तापमान 28°C से 30°C और न्यूनतम तापमान 15°C से 17°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहने के आसार हैं। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 15 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली इन हवाओं की गति बढ़कर 20 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 12 किमी प्रति घंटा तक रह सकती है, जो उत्तर-पश्चिम दिशा से ही चलेगी।

अत्यधिक/ बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- 2-3 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में; तथा 3 नवंबर को तेलंगाना में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- इसके अलावा, 2 नवंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल और तेलंगाना में भी कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- पेड़ों की टहनियाँ टूट सकती हैं और केले, पपीते, सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- छोटे जहाज़, ट्रॉलर और नावें प्रभावित हो सकती हैं।
- भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- हेलीकॉप्टर सेवाएँ प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकलें और बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- तट के पास और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

भारी बारिश की संभावना को देखते हुए कृषि-मौसम सलाह

- तटीय आंध्र प्रदेश में, धान, मूंगफली, कपास, अरहर, गन्ना, मक्का, सब्जियों, केले और पपीते के खेतों में जलभराव को रोकने के लिए पानी की निकासी का उचित प्रबंध करें। बारिश रुकने के बाद गिरे हुए धान और सब्जियों के पौधों को सीधा करें, और गिरे हुए गन्ने को ऊपर उठाकर बांध दें। काटी गई फसल को सुरक्षित रखें। रबी मक्का, मूंग, उड़द, कुलथी और सनई की बुवाई तब तक न करें, जब तक कि मिट्टी में नमी का स्तर सही न हो जाए। केले और पपीते के पौधों को सहारा दें, और छोटे पौधों व सब्जियों को खूंटे (स्टेक) लगाकर सहारा दें।
- रायलसीमा में, खड़ी फसलों में पानी की निकासी का उचित प्रबंध करें। बारिश के दौरान सिंचाई न करें, खाद न डालें और कीटनाशकों का छिड़काव न करें। चना और अन्य फसलों की बुवाई को फिलहाल टाल दें।
- तेलंगाना में, धान, मक्का, कपास, फलों और सब्जियों के उन खेतों में पानी की निकासी का व्यापक प्रबंध करें, जहां अभी कटाई नहीं हुई है। धान, मक्का, कपास, फलों और सब्जियों की तैयार फसलों की कटाई अभी न करें, और जो फसलें काटी जा चुकी हैं, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दें।
- तमिलनाडु में, धान, मक्का और कैसुरीना (casuarina) के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने का उचित प्रबंध करें, और केले के पौधों को सहारा दें। गन्ने के खेतों में जड़ों के पास पानी जमा न होने पाए, इसके लिए तुरंत जल निकासी के रास्ते खोल दें। काटी गई फसल को सुरक्षित और ढकी हुई जगहों पर रखें।

- ओडिशा में, धान, मक्का, मूंगफली, दालों, कपास, गन्ने, सब्जियों और फलों के बागों से अतिरिक्त पानी निकाल दें, खासकर निचले इलाकों वाले खेतों से। अगर धान की फसल गिर गई है, तो उसकी बालियों को बांधकर सीधा कर दें (पानी कम होने के बाद)। तैयार फसलों की कटाई तभी करें जब खेत काम करने लायक हो जाएं, और काटी गई फसल को बारिश से बचाएं। केले और पपीते के पौधों को सहारा दें, गन्ने को गिरने से बचाने के लिए सहारा लगाएं, और सब्जियों व छोटे फलों के पौधों को खूंटे (स्टेक) लगाकर सहारा दें।
- छत्तीसगढ़ में, धान, मूंगफली, तिल, सब्जियों, मक्का और दालों की तैयार फसलों में जलभराव रोकने के लिए पानी की निकासी का व्यापक प्रबंध करें। काटी गई फसल को सुरक्षित और ढकी हुई जगहों पर रखें, और फलों व सब्जियों की नर्सरी को पॉलीथीन शीट या तिरपाल से ढक दें। बेल वाली फसलों को सहारा दें और छोटे पौधों को भी सहारा प्रदान करें।
- केरल में, खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी की निकासी का उचित प्रबंध करें। रबी धान की रोपाई तभी करें जब खेत की स्थिति उपयुक्त हो, और केले की रोपण के लिए ऐसे गड्ढे तैयार करें जिनमें पानी जमा न हो सके। केले और पपीते के बागानों को सहारा दें। तेज़ हवाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए, जहाँ ज़रूरी हो, वहाँ छोटे पौधों और सब्ज़ियों को खूंटे (stake) लगाकर सहारा दें।
- तटीय कर्नाटक में, अदरक और अन्य खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी की निकासी (drainage) का उचित इंतज़ाम करें। कमज़ोर बागवानी पौधों को सहारा दें और काटी गई उपज को किसी ढकी हुई, सूखी जगह पर सुरक्षित रखें।
- दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में, धान, अदरक और अन्य खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी की निकासी का पूरा इंतज़ाम रखें। बारिश के दौरान फसल की कटाई, सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें। केले और पपीते के बागानों को सहारा दें; साथ ही, तेज़ हवाओं की चपेट में आने वाले इलाकों में छोटे पौधों और सब्ज़ियों को खूंटे लगाकर सहारा दें।
- मध्य महाराष्ट्र में, जहाँ भी संभव हो, धान और मूंगफली की कटाई जल्द से जल्द कर लें और कपास की तुड़ाई भी पूरी कर लें। काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर रखें। जिन खेतों में अभी कटाई नहीं हुई है और फसल खड़ी है, वहाँ पानी की निकासी का अच्छा इंतज़ाम करें।

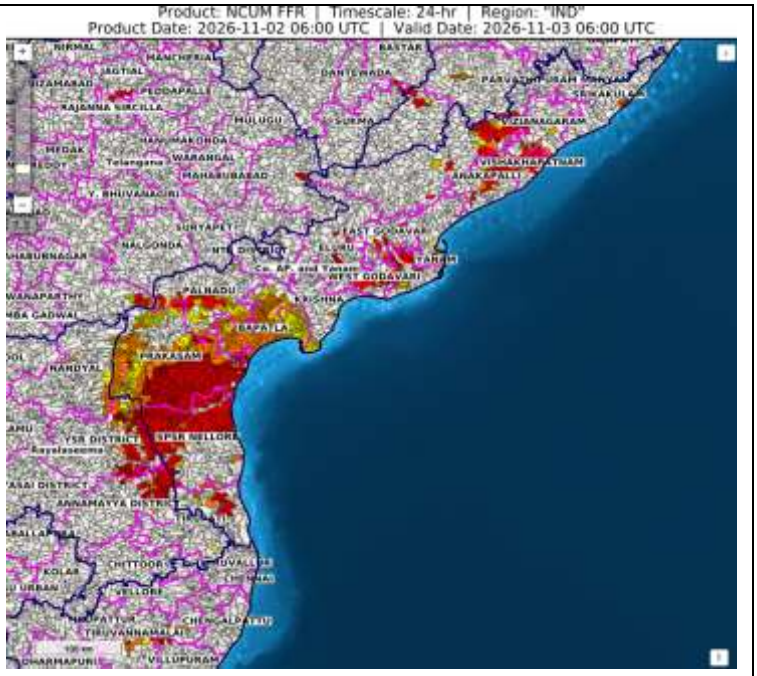
तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि-मौसम सलाह

- कटी हुई फ़सल को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। तेज़ ज़मीनी हवाओं से फ़सल के उड़ने या बिखरने के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फ़सल को मज़बूती से बांधें और ढककर रखें।
- तेज़ हवाओं के कारण फ़सल को गिरने से बचाने के लिए बागवानी फ़सलों को यांत्रिक सहारा दें और सब्ज़ियों व छोटे फलों के पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें।

पशुधन / पोल्ट्री / मत्स्य पालन पर भारी बारिश के संभावित असर के लिए सलाह

- भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली के साथ पानी निकालने का रास्ता (आउटलेट) बनाएं ताकि अतिरिक्त पानी निकल सके और पानी ओवरफ़्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल पाएं।

अचानक आई बाढ़ के लिए मार्गदर्शन:

03-11-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) का जोखिम: अगले 24 घंटों के दौरान, नीचे बताए गए मौसम उप-मंडलों (Met Sub-divisions) के कुछ जल-ग्रहण क्षेत्रों (watersheds) और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का जोखिम 'कम से मध्यम' रहने की संभावना है। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम: अनाकापल्ली, विशाखापत्तनम, विजयनगरम, बापटला, प्रकाशम, कृष्णा, गुंटूर, एसपीएसआर नेल्लोर और पलनाडु जिले। रायलसीमा: तिरुपति, वाईएसआर जिला और अन्नामय्या जिला। अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंताजनक क्षेत्रों' (Area of Concern - AoC) में, पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने (surface runoff) या जलभराव (inundation) की स्थिति बन सकती है।	

संकेत और संक्षिप्त नाम:

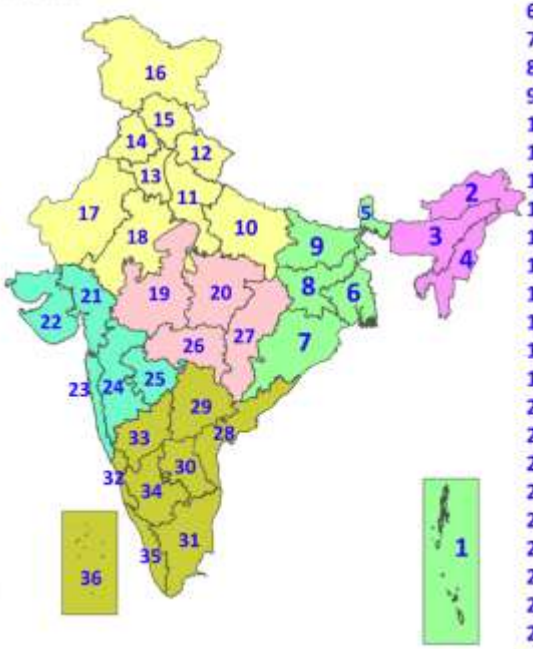
- भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: ज़िला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	**Heavy:** 64.5 to 115.5 mm/cm * **Very Heavy:** 115.6 to 204.4 mm/cm* **Extremely Heavy:** > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	**When maximum temperature of a station reaches ≥40° C for plains and ≥30° C for hilly regions** **(a) Based on Departure from normal** **Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal 4.5° C to 6.4° C. **Severe Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal ≥6.5° C **(b). Based on Actual maximum temperature** **Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥45°C. **Severe Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥47°C **(c). Criteria for heat wave for coastal stations** When maximum temperature departure is >4.5°C from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature ≥37°C
Warm Night	**When maximum temperature remains 40°C** **Warm Night:** When minimum temperature departure 4.5 °C to 6.4 °C. **Severe Warm Night:** When minimum temperature departure >6.4 °C.
Cold Wave	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions.** **(a). Based on departure** **Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C **(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)** **Cold Wave :** When Minimum Temperature is ≤ 4.0 °C **Severe Cold Wave:** When Minimum Temperature is ≤ 2.0 °C **(c) For Coastal Stations** When Minimum Temperature departure is ≤-4.5 °C & actual Minimum Temperature is ≤ 15 °C
Cold Day	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions** **Based on departure** **Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C
Fog	**Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility < 1km** **Moderate Fog:** When the visibility between 500-200 metres **Dense Fog:** when the visibility between 50- 200 metres **Very Dense Fog:** when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	**Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)**
Dust/Sand Storm	**An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.**
Frost	**Ice deposits on ground** Air temperature ≤4°C (over Plains)
Squall	**A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.** **Moderate**: Wind speed 52-61 kmph **Severe**: Wind speed 62-87 kmph **Very Severe**: Wind speed >87 kmph
Sea State	**Effect of various waves in the sea over specific area** **Rough to very rough**: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre **High to very high**: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre **Phenomenal**: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre
Cyclone	**Cyclonic Storm**: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) **Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) **Very Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) **Extremely Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) **Super Cyclone Strom**: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)